अतिथि व्याख्यान का आयोजन

22 अप्रैल 2024 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ प्रांगण में कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव गुप्ता के दिशा निर्देशन में संस्कृत विभाग एवं संस्कृत साहित्य परिषद के संयुक्त तत्त्वधान में अतिथि व्याख्यान का आयोजन 'संस्कृत साहित्य का लौकिक इतिहास' विषय पर किया गया । शहीद स्मारक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय तिगांव से सहायक प्रवक्ता डॉ. सत्यनारायण को व्याख्या हेतु आमंत्रित किया गया । अतिथि महोदय ने विद्यार्थियों के समक्ष संस्कृत साहित्य के विभाजन क्रम पर चर्चा करते हुए लौकिक साहित्य पर प्रकाश डाला । सर्वप्रथम रामायण और महाभारत महाकाव्य पर विस्तार से चर्चा की साथ इन पर उपजीव्य काव्य को बताते हुए कवि आश्वघोष,भास, महाकवि कालिदास,भारवि, श्री हर्ष, भवभूति इत्यादि पर चर्चा की ।कवि कालिदास के अभिज्ञानशाकुंतलम और मेघदूत को विस्तार से बताया साथ ही बताया कि कालिदास की इन दोनों कृतियों से जर्मन कवि 'गेट' भी बहुत अधिक प्रभावित थे । व्याख्यान के अंत में अतिथि महोदय ने विद्यार्थियों के समक्ष संस्कृत में नौकरी के अवसर पर चर्चा करते हुए संस्कृत पढ़ने और पढ़ाने का आग्रह किया । व्याख्यान के उपरांत विद्यार्थियों ने प्रश्न के माध्यम से अपने जिज्ञासा अतिथि के समक्ष रखी । अतिथि महोदय ने बड़ी प्रसन्नता और सहजता के साथ सभी की जिज्ञासाओं को शांत किया । कार्यक्रम का आयोजन डॉ. पूजा सैनी की देखरेख में किया गया । अंत में विभागीय अध्यक्षा ने सभी का धन्यवाद किया । इस व्याख्यान में 49 विद्यार्थी लाभान्वित हुए ।